भारत सरकार

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय

पशुपालन और डेयरी विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 1435

दिनांक 11 फरवरी, 2020 के लिए प्रश्न

विषय: पशुपालन और डेयरी उद्योग को प्रोत्साहन देना

1435. श्रीमती रंजीता कोलीः

क्या मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या राजस्थान में पशुपालन और डेयरी उद्योग को बढ़ावा देने की पर्याप्त संभावना है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में किए गए अध्ययन का ब्यौरा क्या है; और

(ग) सरकार द्वारा उक्त संभावना को ध्यान में रखते हुए क्या प्रयास किए गए हैं और इस संबंध में किए गए प्रयासों के कारण क्या प्रगति उपलब्ध हुई है?

उत्तर

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री

(डॉ. संजीव कुमार बालियान)

(क) से (ग) जी, हां। राजस्थान में पशुपालन तथा डेयरी उद्योग को बढ़ावा देने की व्यापक संभावनाएं हैं। 20वीं पशुधन संगणना, 2019 के अनुसार राजस्थान में लगभग 13.94 मिलियन गोपशु, 13.69 मिलियन भैसें, 7.90 मिलियन भेड़, 20.84 मिलियन बकरियां तथा 0.15 मिलियन सूअर हैं। पशुपालन तथा डेयरी सेक्टर को बढ़ावा देने तथा उसके विकास के लिए राजस्थान सहित राज्यों/संघ राज्य क्षेत्र के प्रयासों को अनुपूरित तथा सम्पूरित करने के लिए भारत सरकार विभिन्न योजनाएं, नामतः राष्ट्रीय गोकुल मिशन, राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम, डेयरी उद्योगशीलता विकास योजना, डेयरी प्रसंस्करण तथा अवसंरचना विकास निधि, डेयरी गतिविधियों में लगी हुई डेयरी सहकारिताओं तथा किसान उत्पादक संगठनों को सहायता, राष्ट्रीय पशुधन मिशन और पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण कार्यान्वित कर रही है।

राजस्थान में दूध का उत्पादन 2014-15 के 16.93 मिलियन टन से बढ़कर 2018-19 में 23.67 मिलियन टन हो गया है तथा कृत्रिम गर्भाधान 2015-16 के 32.90 लाख से बढ़कर 2018-19 में 44.07 लाख हो गया है। राजस्थान में अण्डा उत्पादन 2014-15 के 13,202 लाख से बढ़कर 2018-19 में 16,616 लाख हो गया है।

****